225hi01pm

टिप्पणी

# 1

# वस्तु-चित्रण (Object Study)

ईश्वर द्वारा बनाई इस प्रक ति में मनुष्य ने अपनी आवश्यकतानुसार बहुत-सी वस्तुएं बनाई हैं जिनका हम दैनिक जीवन में उपयोग करते हैं। इनमें से कुछ वस्तुएं हमें आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं, जैसे किताब, बॉक्स, घर के बर्तन व अन्य सामान आदि।

इन वस्तुओं को देखकर उनका चित्र बनाना, इस क्रिया को वस्तु-चित्रण कहते हैं। विद्यार्थी को शुरू में बहुत ही सरल चित्र, जो उसे रूचिकर लगे, बार–बार अभ्यास करना चाहिए।

## उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने एवं अभ्यास करने के बाद, आप–

- परिद ष्टि (Perspective) के बारे में जान सकेंगे;
- छाया व प्रकाश को सही रूप में पहचान पायेंगे;
- वस्तुओं के आकार का नाप व अनुपात दर्शाने में सक्षम हो सकेंगे; और
- रंगों को सही तरीके से उपयोग करना सीख सकेंगे।

## आवश्यक सामग्री

वस्तु-चित्रण करने के लिए विद्यार्थी के पास निम्नलिखित सामान होना चाहिए:

1. ड्रांइग बोर्ड या मोटा गत्ता
2. ड्राईंग पेपर (कार्ट्रिज या चार्ट पेपर)
3. ड्राईंग पिन
4. पैंसिल (HB, 2B, 4B, 6B)
5. रबड़

टिप्पणी

6. रंग
7. ब्रुश
8. कलर मिक्सिंग पैलेट आदि

मॉडल बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की वस्तुएं जैसे पुस्तक, बॉक्स, बर्तन, फल, घर का सामान इत्यादि। इन वस्तुओं का आकार चौकोर या गोलाकार हो।

## परिद ष्टि (Perspective)

वस्तु-चित्रण में परिद ष्टि (Perspective) का महत्वपूर्ण स्थान है। अतः इसकी जानकारी होना बहुत ही आवश्यक है जिससे विद्यार्थी प्रत्येक वस्तु को जिस रूप में देखता है उसे वास्तविक रूप में कागज़ पर चित्रित कर सके।

परिद ष्टि (Perspective) क्या है ? देखने वाले व्यक्ति को पास की वस्तु से दूर जाती हुई क्रमानुसार हर वस्तु छोटी से छोटी होती दिखाई देती है। जैसा कि **चित्र संख्या 1** में दिखाया गया है कि जब हम एक ही आकार की वस्तुएं (जैसे लाईन में रखी बोतलें या लाईन में रखे बॉक्स) दूर की ओर जाते हुए दिखाई देती हैं, तो हमें यह सभी वस्तुएँ एक ही बिंदु पर जाकर मिलती हुई प्रतीत होती हैं।

इसी प्रकार परिद ष्टि (Perspective) का नियम हर उस वस्तु पर लागू होता है जिसे हम चित्रित कर रहे हैं, चाहे वह वस्तु गोलाकार, चौकोर या अन्य किसी आकार की हो।

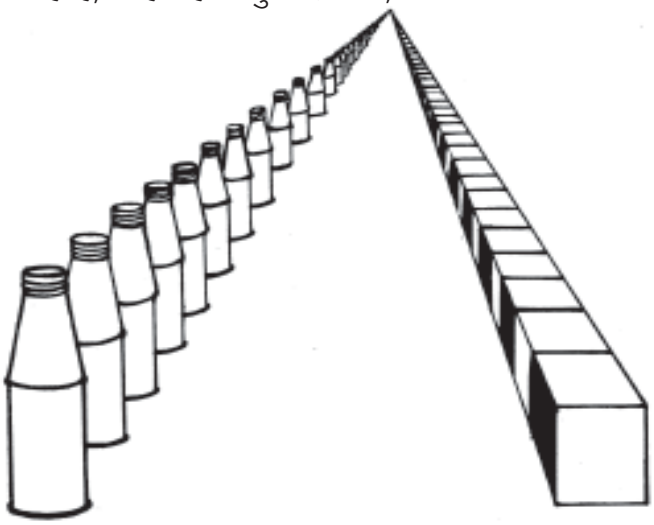

चित्र सं. 1

## छाया और प्रकाश

किसी भी वस्तु पर जब प्रकाश पड़ता है तो उस वस्तु पर छाया और प्रकाश बन जाता है। वस्तु के जिस भाग पर प्रकाश पड़ रहा है, वह भाग उजला तथा उसके ठीक विपरीत भाग पर छाया दिखाई देती है। इसके लिए हम अपनी आँख को आधी या मध्यम बंद करके आसानी से देख सकते हैं।

यह छाया और प्रकाश विभिन्न प्रकार के रंगसंगति अथवा टोन (Tone) द्वारा बनता है। मुख्य रूप से तीन प्रकार के टोन (Tone) होते हैं। 1. प्रकाश-सा उजला भाग, 2. मध्यम प्रकाश, 3. गहरी छाया।

टिप्पणी

चौकोर या गोलाकार वस्तुओं पर छाया और प्रकाश अलग–अलग प्रकार से दिखाई देता है। चौकोर वस्तुओं में सपाट या समतल सतह होने के कारण हर सतह पर समतल प्रकाश या समतल छाया दिखाई देती है। जबकि गोलाकार वस्तुओं में एक ही गोलाई लेती हुई सतह होती है, इसी कारण प्रकाश से छाया तक सभी (Tone) टोन मिलती हुई प्रतीत होती है, जैसा कि चित्र संख्या 2 में दिखाया गया है।

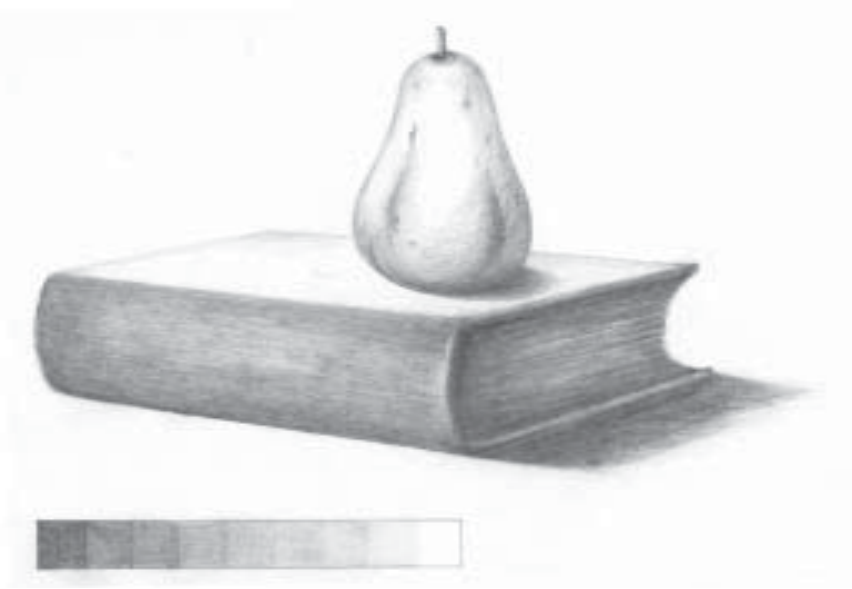

चित्र सं. 2

अतः हम वस्तु को वास्तविक आकार व स्वरूप में देखकर भली प्रकार चित्रण कर सकते हैं।

पैंसिल द्वारा छाया और प्रकाश विभिन्न टोन (Tone) के द्वारा दिखाया जा सकता है, जिसके लिए HB, 2B, 4B, 6B पैंसिल का इस्तेमाल करें। पैंसिल पर हल्का या ज्यादा दबाव डालते हुए छाया (shade) दें जिससे विभिन्न प्रकार की टोन (Tone) बन सकती है।

## नाप व अनुपात

वस्तु-चित्रण करते समय विद्यार्थी को सामने रखी वस्तुओं के सही नाप व अनुपात की जानकारी होनी चाहिए। प्रत्येक वस्तु में लंबाई–चौड़ाई व ऊँचाई होती है। अनुपात द्वारा हम यह जान सकते हैं कि प्रत्येक वस्तु आपस में कितनी छोटी–बड़ी या बराबर आकार की है। किसी भी वस्तु को बिना नाप के या नापकर बनाया जा सकता है।

नापकर चित्र बनाने के लिए सीधा बैठें, एक आंख बंद करें, हाथ को कंधे की सीध में रखकर पैंसिल द्वारा नाप लें। पैंसिल को इस प्रकार पकड़ें कि अंगूठा दायें–बायें या ऊपर–नीचे आसानी से घूम सके। लंबाई या चौड़ाई नापने के लिए पैंसिल को लेटी हुई सीधी अवस्था में रखकर वस्तु के बायीं ओर के किनारे पर लाएं तथा अंगूठे को दायीं ओर खिसकाते हुए वस्तु के दायें किनारे तक लाएं। अब ऊँचाई नापने के लिए पैंसिल को वस्तु के ऊपरी किनारे पर रखें तथा अंगूठे को नीचे किनारे तक लाएं। इसी तरह पैंसिल द्वारा

टिप्पणी

नाप को अपने पेपर पर अंकित करें। अब लंबाई–चौड़ाई व ऊँचाई के नाप को दुगुना, तीनगुणा या और ज्यादा गुणा नाप अपने पेपर के अनुसार अंकित करें और उसी नाप के अंदर चित्र पूरा करें। चित्र–संख्या 3 देखें।

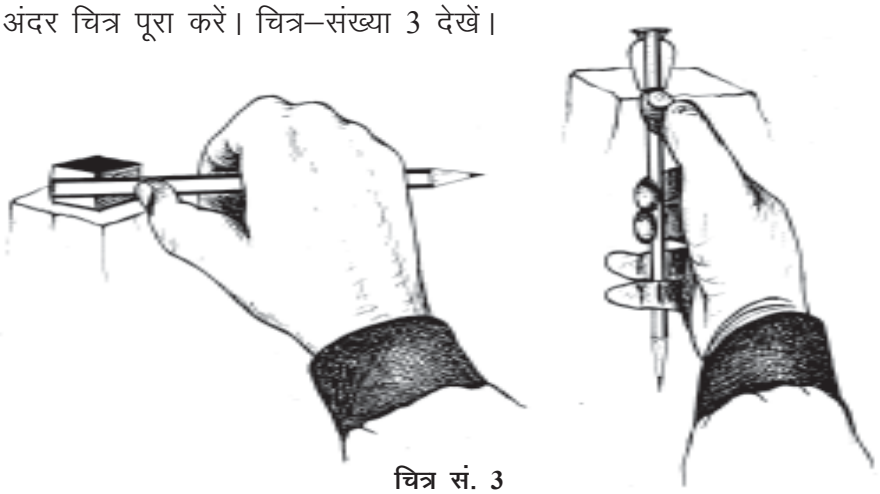

चित्र सं. 3

## रंग योजना व रंग भरना

शुरू में विद्यार्थी को जल-रंगों का उपयोग करना चाहिए। रंग भरने से चित्र सजीव लगता है और वास्तविकता का आभास होता है। जब वस्तु पर प्रकाश व छाया पड़ती है तो एक ही रंग में हमें विभिन्न प्रकार की टोन नजर आती है। प्रकाश वाले भाग पर उजला रंग तथा छाया वाले भाग पर गहरा रंग दिखाई देता है, जैसे लाल रंग के पास ही संतरी रंग, गहरा लाल रंग, भूरा–रंग, आदि, नीले रंग के पास आसमानी रंग, गहरा नीला रंग आदि, और हरे रंग के पास तोतिया रंग या गहरा हरा रंग देख सकते हैं। इन्हीं रंगों को आपस में मिलाकर विभिन्न रंगसंगतियां (टोन) या विभिन्न रंग बनाये जा सकते हैं। अतः आप रंग योजना इस प्रकार करें कि अपने चित्रों में रंगों की वास्तविकता को दिखा सकें।

वस्तु को नजदीक व उजली दिखाने के लिए उजले रंगों का प्रयोग करें। दूरी व छाया दिखाने के लिए गहरे व धुंधले रंगों का इस्तेमाल करें जैसा कि चित्र संख्या 4 में दिखाया गया है।

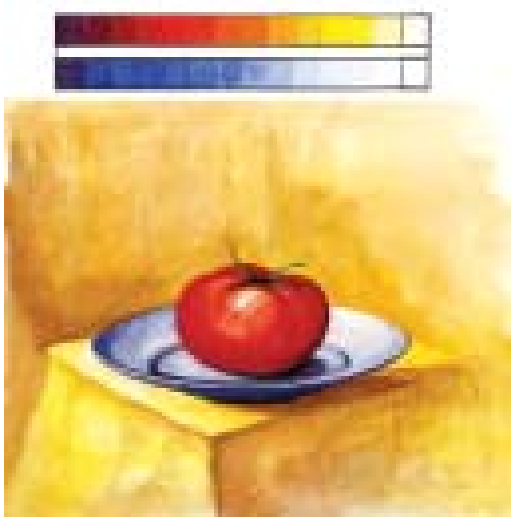

चित्र सं. 4

टिप्पणी

## चित्र बनाने का तरीका

शुरू में विद्यार्थी को चौकोर वस्तु जैसे पुस्तक या डिब्बा और गोल वस्तु जैसे गिलास या फल–सब्जी आदि बनाना चाहिए। जिस वस्तु (मॉडल) का चित्र बनाना है उस वस्तु को आंख की सतह से नीचे की ओर कुछ दूरी पर किसी सतह पर रखें। मॉडल के पीछे की ओर कोई कपड़ा जिसका रंग मॉडल के रंग से अलग हो, लटका दें।

अब ड्राइंग बोर्ड पर ड्राइंग पेपर को ड्राइंग पिनों या क्लिपों के द्वारा लगाएं। सामने रखे मॉडल को अच्छी तरह देखें। मॉडल की लंबाई–चौड़ाई व ऊँचाई के अनुसार सुनिश्चित करें कि ड्राइंग बोर्ड, जिस पर आप चित्र बना रहे हैं, उसे क्षैतिज (Horizontal) या ऊर्ध्वाधर (Vertical) किस प्रकार रखा जाये।

वस्तु-चित्रण करते समय बिल्कुल सीधे बैठें। चित्र पूरा होने तक अपने बैठने में कोई परिवर्तन न करें।

उदाहरण के लिए आप **डिब्बा व उसके ऊपर रखा गिलास** का चित्र बना रहे हैं। चित्र संख्या 5 में देखें। सबसे पहले डिब्बे की निचली सतह का नजदीक का कोना बिंदु (ख) ड्राइंग पेपर पर सही स्थान पर अंकित करें और उस पर आधार रेखा खींचें। इस बिंदु (ख) से दायीं व बायीं तरफ जाती रेखाएं जो भी कोण बना रही हैं, वहीं कोण बनाती हुई रेखाएँ खींचें तथा लंबाई व चौड़ाई काट लें, जो बिंदु (क) और (ग) हैं। अब बिंदु (ख) से सीधी खड़ी (लम्ब) रेखा खींचें और ऊँचाई काट लें, जो बिंदु (ब) है। बिंदु (ब) से दायीं ओर की रेखा (ख) (ग) के समानांतर व बायीं तरफ की रेखा (क) (ख) के समानांतर खींचें। बिंदु (क) और (ग) से लम्ब रेखा खींचें जो बिंदु (अ) और (स) पर मिलेंगी। इस प्रकार हमें डिब्बे की लंबाई व चौड़ाई वाली सतह मिल जाती है। अब ऊपरी सतह बनाने

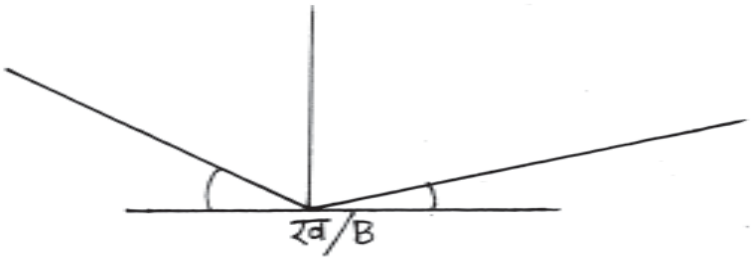


चित्र सं. 5

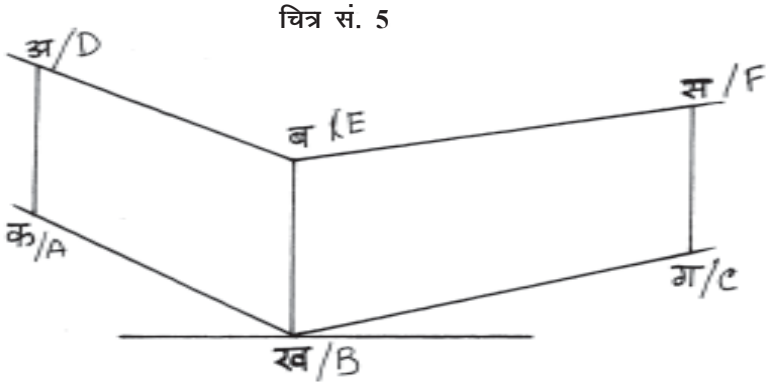


चित्र सं. 5.1

टिप्पणी

के लिए बिंदु (अ) से (ब) और (स) के समानांतर तथा बिंदु (स) से (अ) और (ब) के समानांतर रेखा खींचें। दोनों रेखाएं जब आपस में मिलेंगी तो डिब्बे की ऊपरी सतह बन जायेगी। इस तरह विद्यार्थी डिब्बे का चित्र बना सकते हैं। चित्र संख्या 5.1 एवं 5.2 देखें।

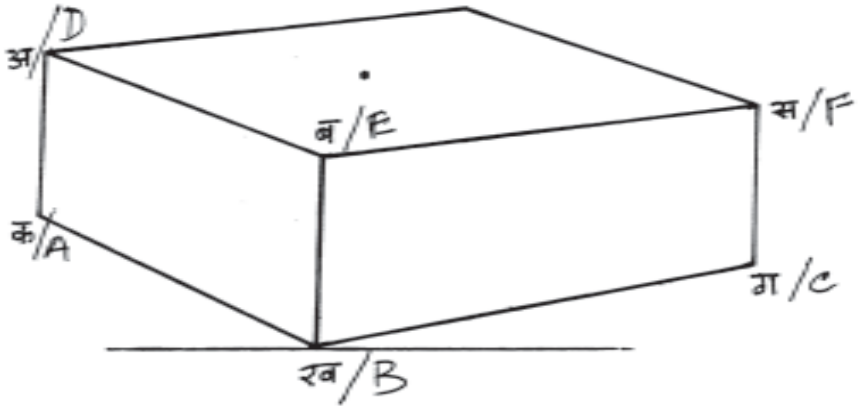


**चित्र सं. 5.2**

अब डिब्बे की ऊपरी सतह पर रखे गिलास का चित्र बनाएं। गिलास का चित्र बनाने का तरीका चित्र संख्या 5.3 में दिया गया है।

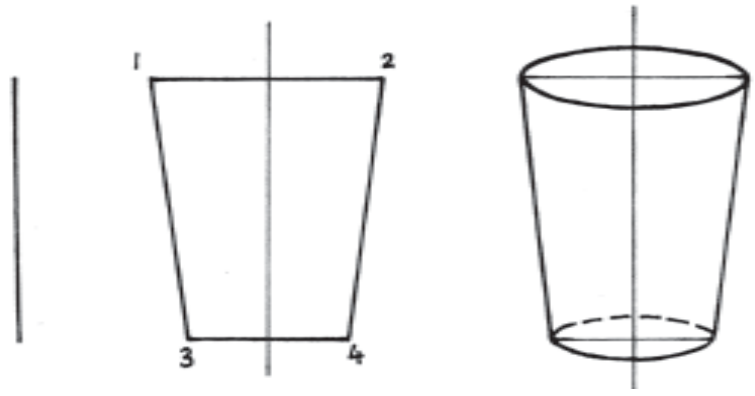


**चित्र सं. 5.3**

डिब्बे की ऊपरी सतह पर गिलास की निचली सतह का केंद्र बिंदु लें। इस बिंदु से खड़ी सीधी रेखा खींच कर गिलास की ऊँचाई काट लें। इन दोनों बिंदुओं से लेते हुए समानांतर रेखा खींचें। गिलास के मुंह व तल के घेरे के अनुसार नीचे व ऊपर की चौड़ाई बिंदु (1) व (2) और (3) व (4) काटें। इसके बाद बिंदु (1) और (3) तथा (2)

टिप्पणी

और (4) को आपस में मिलाएं। इस तरह गिलास का साधारण सरल रेखा-चित्र दिखाई देगा।

गिलास का मुंह व तल बनाने के लिए अंडाकार गोलाई का प्रयोग करें। अतः गिलास का जितना मुंह खुला दिखाई दे रहा है, उसी के अनुसार केंद्र रेखा पर दो बिंदु (5) और (6) लें तथा इन बिंदुओं को आपस में अंडाकार गोलाई देते हुए मिलाएं। इसी तरह गिलास का तल भी बनाएं। पेंसिल शेड या रंगों द्वारा चित्र पूरा करें। चित्र संख्या 5.4 में देखें।

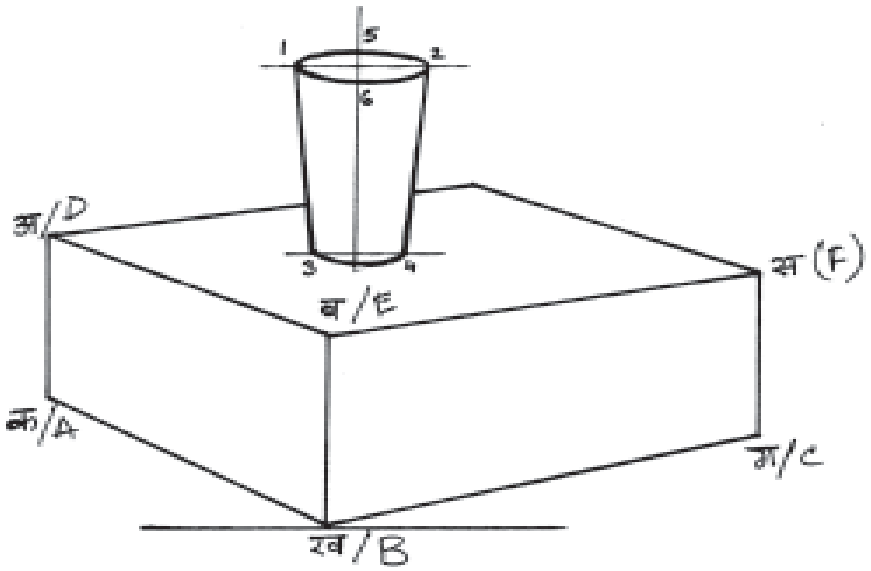


चित्र सं. 5.4

## सारांश

वस्तु-चित्रण के अभ्यास द्वारा विद्यार्थी एक अच्छा चित्रकार बन सकता है। इससे विद्यार्थी में आत्मविश्वास तथा परिपक्वता का निर्माण होता है।

छाया व प्रकाश द्वारा वह चौकोर व गोलाकार वस्तुओं का अंतर भी स्पष्ट कर सकेगा तथा रंग संयोजन के द्वारा चित्रों को सुंदर व सजीव रूप देने में सक्षम होगा।

## मॉडल प्रश्न

(क) अपने सामने एक पुस्तक रखकर उसका चित्र बनाएं।

(ख) ईंट व मटका सामने रखें तथा चित्र बनाकर पैंसिल शेड द्वारा छाया व प्रकाश दिखाएं।

(ग) प्लेट में कोई दो फल व चाकू रखें तथा चित्र बनाकर रंगों द्वारा पूरा करें।

(घ) किसी सतह पर दो या तीन डबलरोटी और बिस्कुट एक साथ आड़े–तिरछे रखें तथा उनका चित्र बनाएं।

(ड.) एक मर्तबान लिटाएं, उसके साथ कनस्टर रखें। चित्र बनाकर रंगों द्वारा पूरा करें।

टिप्पणी

## शब्दार्थ - (शब्दकोश)

प्रतीत – महसूस करना।
क्षैतिज (Horizontal) – लेटी हुई अवस्था
ऊर्ध्वाधर (Vertical) – खड़ी हुई अवस्था
परिपक्वता – अच्छी तरह जानकारी

स्टिल लाईफ
चित्रकार–आरा

स्टिल लाईफ फूलों के साथ
चित्रकार–वैन गौग